18	मृणालिना पुराकना नालना पङ्कानन्याप।
19	कनलं निलनं पद्मनर्विन्दं कुशेशयम् ॥ ११६० ॥
20	परं शतसन्हस्राभ्यां पत्नं राजीवपुष्करे।
21	विसप्रसूनं नालोकं तामर्सं मव्हात्पलम् ॥ ११६१ ॥
22	तद्रवलात्सर्सः पङ्कात्परे रूडुक्तन्नतैः ।
23	पुण्डरीकं सिताम्भेात- व्याना व्यापाल विवाद विवाद विवाद ।
24	मथ र्त्तसराहित ॥ ११६२ ॥ जिल्ला
25	र्तोत्पलं काकनदं
26	कर्विएयं कुमुद्दती।
27	उत्पलं स्यात्कुवलयं कुवेलं कुवलं कुवम् ॥ ११६३ ॥
28	धिते तु तत्र कुमुदं कैर्वं गर्भाद्धयम् ।
29	नीले तु स्यादिन्दीवरं
30 '	न्हलकं र्क्तसंध्यके ॥ ११६८ ॥
31	सागन्धिकं तु कद्भारं
32	बोतकोषा वरारकः।
33	किर्णिका
34	पदानालं तु मृणालं तत्तुलं विसम् ॥ ११६५ ॥
	Blatt eines Louis. — 37. Die Wurzel eines Lotus (2 W.). —
	18. Gruppe von Nelumbium speciosum (4 W.). — 19—22. Ne-
lumbium speciosum, Nymphaea nelumbo (25 W.). — 23. Weisser Lotus (2 W.). — 24. 25. Rother Lotus (3 W.). — 26. Gruppe von	
Nymphaea esculenta (2 W.). — 27. Bei Nacht blühende Nymphaea	
D. W. C.	N.). — 28. Nymphaea esculenta (3 W.). — 29. Nymphaea cae-

rulea. — 30. Nymphaea rubra (2 W.). — 31. Nymphaea lotus

(2 W.). - 32. 33. Samengefäss beim Lotus (3 W.). - 34. Die Fa-

sern am Losusstängel (4 W.).